MIGHTY OAKS FROM LITTLE ACORNS GROW!

Just a year ago the mighty maritime strike was in progress. A more determined nor a more bitter struggle was never staged anywhere. The International Longshoremen's Association and the fight for Pacific Coast longshoremen are today known throughout the world. They are known and respected as fighters in the interest of organized labor and the rights of the working class.

In reviewing the history of the strike and the tactics employed by the coast longshoremen we find many radical departures from the old line of the dyed-in-the-wool A.F. of L. leaders.

The new methods of striking which included mass picket lines, mass meetings, strike bulletins, daily reports, negotiations through large committees, which prevented walkouts and all agreements subject to approval of the membership, the spreading of the strike to all workers and crafts instead of the past policy of the A.F. of L., which constituted organized snubbing --- one craft on strike while another craft stayed on the job and worked with scabs, and last but nevertheless a very important detail was the new methods used in the handling of relief. The relief kitchen set up at 64 Barbaradero where thousands were fed daily had much to do in keeping up the morale of the strikers. The handling of family relief, when a fight was staged and won that strikers to given city relief, all these details constituted a radical departure of previous strikes and each of them played an important part.

(Continued on Page 2, Column 1)
St. Peter stood guard at the Golden Gate
With golden mein and air adoubt,
Whom up to the top of the Golden Stair,
A shriveled figure ascended there.

Applied for admission, he came and stood
Before St. Peter so great and good,
In hope the city of peace to win,
And asked St. Peter to let him in.

St. Peter said with a gleam in his eye
Who is coming this gate sir, you or I?
I have heard of you and your gift of gab
You're what is known on earth as a scab.

Therefore, he rose in stature tall,
And pressed a button upon the wall,
And said to the Imp that answered the bell,
Escort this fellow around to hell.

Well, till Satan to give him a coat along,
On a red hot griddle up near the throne,
But stay, even the Devil couldn't stand
The smell of a cooking scab on a griddle in Hell.

It would cause a revolt, a strike I know,
If I send you down to the Imps below,
Go back to your masters on earth and hell,
They don't even want a scab in Hell.

Ed Hurst
Local 666, Racine, Wis.

BOYCOTT STANDARD OIL PRODUCTS:
SERA FORCED TO ABANDON FLOW PULLING BY MEN.

Publication of pictures showing SEERA workersadvanced to plows on relief's protest in the Los Angeles area has forced the United Oil Commission to cancel further pull-pulling on relief jobs in California.

At the same time the Relief Commission, highly insufficient, attempted to side-step the issue by declaring the plowing work had been done 11 months ago when the Los Angeles Board of Guardians had charge of certain relief projects.

In order to prevent workers from pulling the plow, the fear will always remain that human beings called men were forced to till like savages of old in order to eat enough food to maintain themselves and family. Yes, and this is in America's "free" America.

This doesn't rob Display feature that over the nation-wide fascist-controlled hook-up...

Publication will prevail until ALL WORKERS ORGANIZE so strongly that the cheap, bully-robbing politicians and bosses dare not impose such slave conditions or the human race any more. The answer is: ORGANIZE - ORGANIZE - ORGANIZE.
ON THE SPOT

BALLAD OF THE I.L.A.

My name is A. W. Peterson
The terror of the town,
And when it comes to dirty deeds
My name is far renowned.

The Black-ball and the saloon
Are both tools of my trade
For I am now the saloon king
By these my rep was made.

I thrive with vigilance
With care I'm always right
I don't believe in Rank & File
I don't believe in fight.

So do not dare take action
Don't join the Rank & File
For I'll use voice and Blah-Blah
In true "Pedro Pete" style.

You False and phony leader
Bear you the Rank & File
We do not fear your tactics
We know your saloon style.

So clear the decks for action
We'll now write our might
We'll put an end to saloon kings
This is the longshoremen's right.

Yes, clear the deck for action
Make way for Rank & File
We do not like your tactics
Nor your false and phony style.

To Waterfront Bard.

BOYCOTT THE SCABBY EXAMINER

-- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ---- ----
DUST STORMS AND ECONOMICS
STORMS CAN BE CONTROLLED.

Dust storms are not uncontrollable mysteries of nature, as pretended by the capitalist press. They are caused by the drying of land taken out of cultivation. The wind picks up the loose dirt and carries it for hundreds of miles.

Dust storms are common in America before the nation's agriculture was developed. They are well known in all undeveloped regions especially where vegetation is sparse.

The only cure for them is cultivation of the land or systematic planting of grass or forests.

Dust storms on a small scale began in the mid-west shortly after the stock market crash in 1929. This was because farmers had already begun abandoning farms or putting down drainage because there was no market for their produce. The dust storms occurred annually from then on, growing worse each year and always occurring around the month of May.

By 1935 they were a really serious menace and editorials on the subject began to appear in leading periodicals. Still no steps were taken by the government to meet the problem.

In 1934, the dust storms were reported as the most serious ever recorded. It was estimated over a half million tons of dirt were blown into the air and scattered over the Eastern States. Still no intelligent recognition of the problem by Washington. To the contrary, 40,000,000 acres were taken out of production by the A.A.A. program.

The capitalist system, in the course of its early development, changed America from a wilderness to fertile farm lands. In its present breakdown, we now see its disintegration from Fertility to desert.

Unable to plan, the capitalist system is helpless to cope with the forces of nature as it is with economic problems. Its efforts are not toward facing and solving these problems but toward preserving, at all costs, the system of private ownership and exploitation. Any plan that solves even the problems either of economies or concerning the preservation and development of resources, would of necessity, make inroads on the capitalist system.

WRITE ----- SCRIBBLE ----- DRAW
YOUR STORY FOR THE WATERFRONT WORKER --- THERE IS PLENTY OF NEWS IN THE BAY REGION FOR THE WATERFRONT WORKER. YOU SEND US YOUR STORY AND WE'LL SEND ALL LETTERS, NEWS AND CARTOONS TO
P.O. BOX 1158
SAN FRANCISCO, CAL.

MORE BACK PAY DUE HERE. JUDGE RULES
OVERTIME PAY BETWEEN 3 AND 5 PM

After months of preparation the Pacific Coast Labor Bureau, headed by F. N. Molinko, placed statistics, data and information before the Labor Relations Committee concerning the paying of overtime back pay between the hours of 3 to 5. Judge Slabs recently ruled that the men who worked overtime in the past and the companies should pay as soon as possible.

The Judge's ruling thereby gives each man an additional $48 to $60 dollars over the back pay we received last fall.

This may not sound much, but it was the goodness of the dear Judge's heart, but the fact that the data furnished by Mr. Molinko's staff was so complete and accurate and backed up by the militant actions of the men on the docks, that the ruling was made, no doubt, with an eye to soft-soaping the man if possible.

We have made considerable gains since the strike, now it is up to the men to hold what we have gained and not to allow any part to be taken from us. We should work under the militant constitution and by militant action we can keep our better and safer working conditions.

SCHARRBURN TRIPS TO WHITE-TUSH WAR REMAINS - SEEKS PERMISSION TO SPEAK PEACE ORGANIZATIONS SOCIETIES

Paul Scharrburn, the Secretary of the State Federation and arch-betrayer of labor for the past 30 years, it fast losing the struggle hold he has had on the workers all these years.

The pro-war statement that he made at the season's arbitration hearings that "he hoped we would soon have a war with Japan so the season could get what they want," has been echoed and re-echoed from coast to coast. The calling of the war, on the part of Scharrburn, has caused a revolt among the Rank & File who hate war like poison. Among the A. F. of L. big-shots and high government officials it caused a near panic because these gentlemen, who are working overtime in preparing our war machinery, preparations do not want to call out openly for war just now and Scharrburn got his foot into it by expressing his ideas about war right at this time.

It is only by the great protest raised by the Rank & File that the big labor fakers can see that the calling for war is a damn ticklish business, because the WORKERS DON'T WANT WAR and which in turn forced Scharrburn to go to the Japanese Government and request permission to address the various Japanese societies throughout the state in an attempt to explain his pro-war remarks.

Whether or not the request shall be granted, we do not know. However, we DO know that Paul Scharrburn will forever stand in the nile of laborers as a war-monger, a liar and faker of the first stripe.
"LIEUT. JUIN" RYAN ADDRESSES SULF CONVESSION, SHOOTS PLUNTY OF HOT AIR INTO DELGATEES.

"Hot air" Ryan, well-known for his attack and barbs to the longshoremen's strike last summer, and sometimes referred to as the International President of the I.L.A., addressed the South Atlantic and Gulf Coast district Convention. He told the assembled delegates, "There is no reason why a differential should exist between the Gulf and the North Atlantic and Houston on the Gulf.

Ryan in making this living statement knew full well that before he left for the Gulf Convention he signed an agreement with the Fall River and Colonial Lines in the port of New York for 70 cents an hour, which makes 3 wages scales in the port of New York alone.

Ryan will never forget the terrible beating he took in France when the June 16th agreement was turned down and still smarting from the defeat, he referred to the radioactivity within the I.L.A. and the "unraveling" led by Harry Bridges in the Pacific Coast strike. He predicted Bridges would "appear at the International Convention and try to take it over," but added, "We do not expect a great deal of trouble from him at all."

From these remarks the Rank & File can plainly see that Ryan and his gang intend to railroad things through in grand style at the International Convention. There are five delegates to be elected, one from each Pacific Coast sub-district. Let the delegates be honest, sincere Rank & File. The delegates must be held strictly responsible for any action taken there.

MAKE SAN FRANCISCO A UNION TOWN

ALASKAN PLAN TERROR ABSURD
SOIL EXPORT MEDICINE PROJECT AS "UNJUSTIFIABLE."

Elevation of more than 1000 Northwestern farm families to the Katmaiunu Valley of Alaska under Government auspices was described, through the United Press, by Bernard S. Snow, farm expert, as the "most absurd, philosophical program any government ever imposed upon its citizens."

Mr. Snow has been recognized for 20 years as an expert on world agricultural conditions and he forecasted in 1929 the drought movement.

He said weather records show the Katmaiunu Valley to be deficient in summer moisture and with wide fluctuations of rainfall which inevitably will bring years of crop disaster. He declared that a farming community can be established and maintained itself in a district where rain fall of less than one inch per month in midsummer is a matter of record and where freezing temperatures in June and August are not unknown. He asked, "The plan is unsound in principle, reckless of human lives and happiness, and wholly unjustifiable from any standpoint."

A SHORT - SHORT STORY
HOW COMPANIES DEVELOP "LOYAL EMPLOYEES," OR HOW STOOL-PIGEONS ARE RECRUITED.

REPORTS FOR JUNIOR BOARD CLOSE SATURDAY NIGHT - Now and right now, good and bad news, for these men should either nominate themselves or permit their friends to nominate them. This Junior Board, if composed of able men, can do much of good work representing the men to the management and vis a vis I wish to stress that a few low brows still ridicule the members of the Junior Board but at the same time, there are some men who cannot get up enough voice to be elected to anything. The campaign friendly to the company never does do anything constructive but the other to activate men and stir things up. It is a fine thing that most of the crew are good loyal company members and really try to help each other and their employers as well. Get some good men to run in this election. Saturday night advance another week. Election one week later. EXTRA MEET NO VOTE - (Reprinted from "Weekly Bulletin" - Yellow Cab Co.)

WAGNER - CONGREY DISPUTES BILL.
DOES IT GUARANTEE THE RIGHTS OF LABOR?

Is this Bill, that is hailed by Pres. Green and certain other reactionary officials, a guarantee to the rights of labor? For example, will it hinder in any way the employers to their use of armed vigilante bands? Will it put an end to black-listing and discrimination? Will it outlaw the injunction or prevent the use of the State or Federal military forces as scab-herders? Will it outlaw the company unions? Will it definitely guarantee the right to strike and picket?

Certain provisions of the Bill itself give the answers to the questions; for example, one section of the Bill definitely-declares itself against the use of armed vigilante bands! Will it put an end to black-listing and discrimination? Will it outlaw the injunction or prevent the use of the State or Federal military forces as scab-herders? Will it outlaw the company unions? Will it definitely guarantee the right to strike and picket?

The real results of the Wagner Bill will be to increase the power of the Government and to stifle any voice of the unions, when strikes would be completely outlawed and the organizations themselves smashed. Labor must fight each step to save Russia to be defeated.
THE MAIL BAG

STOOL PIDES FLOOD WATERFRONT -- WORK OVERDRIVE TO WRECK WORKERS' UNITY.

Editor, Waterfront Worker:

The S.F. News Monday night carried an item in the "Whirligig" Column as follows: "30 men are keeping an eye on the waterfront. Police authorities are perfecting plans of cooperation with "soilers" groups in event of waterfront trouble. 400 guns have been sold in Prisco lately."

If I'm mistaken, say so. But anyway, here's my view:

First, 30 men of various stripes from ex-cons to plain ordinary street pigeons have ALWAYS been here in the interest of the shipowners and are still here. They were here before the big strike, during the strike and since the strike. The News has told nothing new.

Second, same goes for the police and cooperation with private gorillas, outcast legionaires, or vigilantes, except that they may be consolidating more closely for more rapid-fire action against all labor groups in the city, including the church associations, the Potters, and the San Francisco Chamber of Commerce, as in Germany under Hitler, now that Hearst and Horrison's gang have started the railroad under the C.C. Law.

Third, it does not surprise me that the gorillas and gummen have bought that many guns recently with Industrial Association money.

So, why did the News publish this at this time if it's not news at this time to the boycott the Front, when one would think that the cops would want to keep their hands secured?

My answer: Scharrenburg's gang, acting for their concealed bosses, the shipowners, did everything possible to block the Marine Federation, but failed. The shipowners lived thisunity. Now that the Federation is formed, the shipowners through THEIR PRESS of which the News is a part, less known than the Hearst toilet sheets are trying to throw a cloud before all the unions in advance of any action on the San Francisco Front, which is getting more and more ripe.

Undoubtedly, the shipowners and THEIR Government are getting more cops, more gorillas, more National Guards in preparation, but their advertising the Fact shows that ITS THEIR FIGHT THAT OUR ALL, by side-by-side unity of all our unions in the Federation, despite the disruptive policies and strike-breaking activities of Mike Casey, Leo J. Holman, W.J. Lewis, Paul Scharrenburg, Paddy Moran, "Dirty" Deal and Cliff Thurston, are getting no where but causing Thomas C. Platt plenty of night-mares.

Oakland Warehouseman

DELEGATES TO I.I.A. CONVENTION TO REPORT MANY QUESTIONS TO BE ASKED

Dear Editor:

Recently you had an article in your paper regarding the speed-up system in effect at Pier 40, and the activities of Hungry Joe. Last Saturday I worked at Pier 40 and on a ship that Hungry was bossing, and I now know that your recent remarks do not begin to explain this system and the manner that Hungry went to get results.

This man belongs to local 38-79 and is supposed to be a union man, to uphold all the things that we fought for, and to assist us in having a real organization, instead of carrying tales from one gang to another, and squabbling to the dock after about the men, as well as the other gang bosses that are trying to make conditions decent. In plain words, this man is deliberately trying to create discordant amongst the men and run down the union. The man that works for him and on Pier 40 should take some action on this, and stop it quick.

Thank you.

A Stevedore

Dear Editor:

Our delegates to the I.I.A. Convention have been invited over to the Oakland Branch to tell us their story. We would like to ask them why neither Oakland nor Crockett was notified that there was a convention, or that our local was sending delegates. We would also like to know how they were instructed, and how instructed them. We would also like to know why Faker Carthy voted opposite to our other delegates and against the Bank & Pile, and when we find out these things, let's take ACTION and send the head Faker back where he came from - to his Boss, Lewis, crying for sympathy. Let's knock G.N.R. out of their damned machine, anyway.

Harvey Carthy, since his first day in this organization, has consistently fought against the Bank & Pile. He has acted, not as a servant of the membership, but as a little dictator, who has taken upon himself to oppose every forward step advocated by the Bank & Pile, who is the only way of getting rid of all their unions in the Federation, despite the disruptive policies and strike-breaking activities of Mike Casey, Leo J. Holman, W.J. Lewis, Paul Scharrenburg, Paddy Moran, "Dirty" Deal and Cliff Thurston, are getting no where but causing Thomas C. Platt plenty of night-mares.

(Signed) Unity

PAGE 6
WATERFRONT WORKER
MAY 27, 1935
Editor, Waterfront Worker:

Last week, at Howard's Terminal, the entire crew of the "Willisolo" struck the ship and demanded that a fink quartermaster be removed. The California gangs immediately supported the sailors. When the ship had been tied up an hour, the rats were still at work giving a police escort up town. During the night the ship shifted over to 26 and the fink came back aboard. The crew again walked off and of course the whole dock came out.

Mr. Stanley of the Firemen and the I.S.U. delegate came down from what used to be the "book alley" and told the crew they could not take any job action, because the award stated that "loyal employees" could not be fired. These "loyal" delegates evidently didn't know that by job action this fink had already been paid off and fired the day before.

The I.S.U. officials by not backing up the Rank & File are exposing themselves to the men that they really are: A #1 PAKERS!

The I.L.A. can use its 90% with the Rank & File and if the sailors want a real union, let them drive the PAKERS from their ranks.

The officials of the Firemen also showed their true colors by refusing to see to it that the black gang of the "Nevedan" (also struck) was fed, instead they forced the other sailors to give up, "go to the sailors, they started all the trouble."

Number 30-79

WATERFRONT WORKER'S CARTOONS & SLOGANS

EFFECTIVE - IMITATED BY FINE POLITICAL GHOST - NEW WATERFRONT WORKER

Editor, Waterfront Worker:

Congratulations on your effectiveness in cartoons and slogans! When you asked "How do we refer to Fairy Beaudoin?", the correct reply is "Fairy Beaudoin". The best proof of your effectiveness is the quick imitation of it by the fink toilet sheet, the new waterfront worker. When those crooks refer to Harry Bridges as "Joe" Bridges, let me remind them that many a bridge has swept across the bow of good, clean freight cargo, such as......

Fraternally,
A Matson Man

P.S. The Real Waterfront Worker sells openly all over the front, including the Dispatching Hall. The fink toilets are a special creation by hired gunmen. All right, comrades; line up - What's the answer? Do, wait a minute, maybe "Militant Matson Man" will give us an answer.

POLICE PRAISE BJORKLUND TO STRIKERS - SAILORS WISE - STAY ON PICKET LINE

Editor, Waterfront Worker:

You last issue mentioned among others the name "Bjorklund".

Last summer while I was on that picket line with some sailors just off a struck ship, an automobile of plain clothes dick drove up and started to scare up the boys. Then one of these smothered dicks in the back seat said to the dick sitting by the driver, "You know, Marty, it would be a fine thing if these good, clean American fellows could only have a talk with Bjorklund from up North, instead of listening to the Reds and trouble-makers".

None of us answered a word then, but we did stay on that picket line. And even though none of us knew this guy Bjorklund referred to as the dicks, we know instantly that the blessing of the shipowners' gamma upon the unknown Bjorklund meant what? You guess. Yours for unity. 

A Seaman

I.I.A. THE FIRST LINK IN MIGHTY CHAIN OF OTHER INDUSTRIES TO WELD LINKS.

Dear Ed:

I think it is only fitting and proper to express a word of thanks to the militant fighters of 30-79 for their fine work, to bring the transport workers what I call the first link in the chain. Instead when that link is tested from without and from within that it will prove unbreakable. Other industries are going to be welded to that master link and I hope that we get a chain so powerful and strong that organized labor will be protected forever.

Let your further, Brother, that the mighty chain will grow and finally develop where our government will be made up of labor representatives direct from labor.

I thank you.

J. Strover - Foot

DID SHIPOWNERS GET FAIR DAYS' WORK? YOU ANSWER IT BROTHER -- YOU KNOW.

Dear Ed:

"As last week's meeting an official of our union met a lot about some boys asking for backing from those who have a certain fault, and among other things told quite a bit about a well-worn phrase, "A fair day's work for a fair day's wages". That was the slogan of the "Blue Rock" when the bosses started that "Company" organization, and we know it better by the sobriquet that it leads. Did the shi

P.O. Box 1145

P.S. BOX 1145

WRITE FOR THE WATERFRONT WORKER
The Standard Oil frame-up is a frame-up against our unions. The 3 men are facing life sentences for a crime of which they are innocent. Because they were active on the picket line in the strike they are being framed to discredit the maritime unions and to cast into prison those men in the pursuit of Standard Oil.

The Standard "Dynamite" frame-up is only one of many frame-ups going on throughout the country today.

In Burlington, North Carolina, 7 innocent workers were sentenced to long jail terms on almost the same kind of charge as our boys are facing in Nodesto. They hired by the mill bosses planted the dynamite. During the trial the frame-up victors were railroaded by the perjured testimony of stool-pigeons, a hostile labor-making judge, and a hardpicked jury, who were in love symphony with the mill owners. Hundreds of workers testifying to the innocence of these men meant nothing, only the heroic efforts of the International Labor Defense and protest from across all over the country kept them from being buried in the Carolina dungeons forever.

Today, the I.L.D. is carrying on a heroic fight for their release, supported by contributions and moral support of thousands of workers and their labor organizations. Unless our boys in Nodesto are given the same moral support they will be railroaded to prison.

The long solemn of Standard Oil reaches everywhere, spread like a vast net over the entire world, seeking the blood from the body-coal in every part of the South American jungles for Standard Oil, and in the United States workers are framed and sent to prison because they dared organize and ask for recognition of their union from that mighty monarch Standard Oil.

Throughout the struggle for better working conditions and a better standard of living, it is a cruel and base practice to enslave the workers, to plant the dynamite, to frame up at all costs. This brutal practice must be stopped at all costs. It is a cruel and base practice to plant the dynamite, to frame up at all costs. This brutal practice must be stopped at all costs.

In the Nodesto case there are stool-pigeons involved, of that there is no question, but who are they and what they will do only the trial itself will reveal.

Brothers, we must rally to the support of our frame-up brothers. Instruct your union to write letters of protest to Governor Harriman, your Senator, to the Assemblyman and other State officials calling for their release.

Write to other civic officials and to the press. Help to organize mass meetings and interest the public in the case of these victims. It is up to us to save our own brothers. It will be a hard fight. We must prove ourselves worthy of the fight. No other power but mass pressure can save them.

Release our brothers!